विधि तथा समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करें कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय बाल कल्याण परिषद् बच्चों के कल्याण के लिये दिल्ली में एक बाल मेले का आयोजन करने जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस मेले में भाग लेने के लिये आने वाले विभिन्न राज्यों के बच्चों को कोई सुविधाएं देने का विचार है ताकि वे यथासंभव बड़ी संख्या में आ सकें; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

विधि मंत्रालय तथा समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री (डा० (श्रीमती) फूलरेणु गुहा) : (क) तथा (ख). हां, श्रीमान।

(ग) भारतीय बाल कल्याण परिषद् मेले में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के बच्चों को निम्नलिखित सुविधाएं देगी :—

(1) मुफ्त निवास;

(2) निवास के स्थान से मेले तक मुफ्त परिवहन। भारतीय बाल कल्याण परिषद् बच्चों को उनके अपने खर्च पर दिल्ली में दर्शनीय स्थानों में घुमाने का प्रबंध करेगी;

(3) न लाभ न हानि के आधार पर बच्चों के लिये भोजन का प्रबंध;

(4) भारतीय बाल कल्याण परिषद् की असम राज्य शाखा ने मेले में जाने के लिये 550 बच्चों के वास्ते एक बाल रेल गाड़ी का प्रबंध किया है। अन्य राज्यों द्वारा भी ऐसी रेल गाड़ियों का प्रबंध किया जा सकता है।

(5) भारतीय बाल कल्याण परिषद् ने राज्यों के सार्वजनिक प्रशिक्षण/शिक्षा निदेशकों से दिल्ली में मेला देखने के लिये बच्चों के दलों का गठन किये जाने के बारे में बातचीत की है।

(6) बच्चों को सामान्य रेलवे रियायत उपलब्ध होगी।

Extension of Broad Gauge in Assam upto Gauhati

4960. SHRI BEDABRATA BARUA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it has been decided to extend the Broad Gauge line in Assam upto Gauhati;

(b) if so, whether the work has already been started in this regard; and

(c) when the work is expected to be completed?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) to (c). Preliminary Engineering and Traffic Surveys for the conversion of the Bongaigaon-Gauhati Section and an economic survey by the Gauhati University of the transport needs of the lower Brahamaputra valley have been undertaken recently with a view to find out the need for and the economic viability of the proposal for extension of the B. G. line to Gauhati. A final decision in the matter can be taken only after the results of these investigations are known.

बोकारो इस्पात कारखाने के लिये हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन से उपकरणों की खरीद

4961. श्री विभूति मिश्र : क्या **इस्पात तथा भारी इंजीनियरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने रांची (हतिया) का दौरा करने के बाद निर्णय किया

है कि बोकारो इस्पात कारखाने के लिये सभी उपकरण हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची से खरीदे जायेंगे;

(ख) क्या हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन शीघ्रता से बोकारो इस्पात कारखाने को सभी उपकरण सप्लाई करने के लिये सहमत हो गई है; और

(ग) यदि हां, तो क्या वे इस प्रबन्ध से सन्तुष्ट हैं ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त): (क) से (ग). सरकार की सदा से यह नीति रही है कि जो उपकरण देश में निर्धारित समय में बनाये जा सकते हैं उनका आयात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये । बोकारो इस्पात कारखाने के लिये उपस्करों के क्रय में इसी नीति का अनुसरण किया गया है । हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन ही बोकारो के लिये सारे उपकरण सप्लाई नहीं कर रहा है और न ही कोई ऐसा निर्णय लिया गया है । आयात किये जाने वाले उपस्करों अथवा संघटकों के अलावा भी ऐसा साज-सामान है जो हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के अतिरिक्त दूसरी देशीय फर्मों से लिया जा रहा है ।

Precision Instruments Factory at Kota

4962. SHRI R. K. BIRLA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Precision Instruments Factory at Kota has started production and assembly of instruments;

(b) if so, what type of instruments have so far been manufactured in the factory;

(c) whether the instruments produced in the factory have been put in the market on commercial scale; and

(d) if not, when they are likely to be put on commercial scale?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) Yes, Sir.

(b) The instruments manufactured are Thermocouples, Thermometres, magneto-electric instruments, electronic instruments, panels and desks.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

उद्योगों में अप्रयुक्त क्षमता

4963. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :** क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1967 में उद्योगों में अप्रयुक्त क्षमता, जो 1963 में 17.7 प्रतिशत थी बढ़कर 21.4 प्रतिशत हो गई थी;

(ख) इस बारे में वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) किन-किन उद्योगों में स्थिति अब भी गंभीर है; और

(घ) स्थिति सुधारने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग). तकनीकी विकास महानिदेशालय के अन्तर्गत आने वाले चुने हुए उद्योगों में प्रयुक्त क्षमता की प्रतिशतता को दिखाने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखा गया है । (**पुस्तकालय में रखा गया । देखिये** संख्या एल टी— 1844/69)